**क्रांति समय**
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
# क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

**क्रांति समय**
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 49, बुधवार, 13 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पहला कॉलम

### लोकसभा चुनाव 201द्द संकल्प पत्र की तैयारियों में जुटी भाजपा, राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बैठक

**नेशनल डेस्क।** लोकसभा चुनाव के ऐलान के बाद सभी पार्टियां चुनावी तैयारियों में जुट गई हैं। भारतीय जनता पार्टी भी घोषणापत्र की तैयारियों में जुट गई है। इस मसले पर घोषणापत्र समिति की एक बैठक बुलाई गई। बैठक की अध्यक्षता गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने की। इसे संकल्प पत्र समिति बैठक का नाम दिया गया है। भाजपा नेता पहले ही भारत के मन की बात, मोदी के साथ नाम से एक अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत देशभर में 10 करोड़ मतदाताओं से सुझाव इकट्ठे करने का लक्ष्य रखा गया है। ताकि उन सुझावों को ध्यान में रखकर संकल्प पत्र को अंतिम रूप दिया जा सके। सोमवार को भी राजनाथ सिंह के आवास पर घोषणापत्र को लेकर बैठक हुई थी, जिसमें रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण, कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह, घोषणा समिति के सदस्य शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय आवास और शहरी विकास राज्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह मस्त समेत कई भाजपा नेता शामिल रहे। इस बैठक में कई किसान नेता भी शामिल रहे, जिन्होंने अपनी बात घोषणापत्र समिति के सामने रखी। इन मांगों में मुख्य तौर पर किसानों के लिए पेंशन योजना शुरू करने की मांग रही, जिसे संकल्प पत्र में शामिल करने को लेकर राजनाथ सिंह ने हामी भरी।

### सीएम नवीन पटनायक का ऐलान- बीजद अकेले ही लड़ेगी चुनाव

**नेशनल डेस्क।** ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल (बीजद) किसी भी राजनीतिक दल के साथ कोई गठबंधन नहीं करेगी और लोकसभा तथा विधानसभा चुनाव वह अकेले लड़ेगी। बीजद के प्रमुख और ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा और विधानसभा चुनाव अकेले ही लड़ेगी। राज्य में 11 अप्रैल से राज्य विधानसभा की 147 सीटों और लोकसभा की 21 सीटों पर चार चरणों में चुनाव होगा। पटनायक ने पत्रकारों से कहा कि वह लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अकेले चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने दोहराया कि हम किसी भी पार्टी के साथ चुनावी गठबंधन नहीं करेंगे। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि बीजद कांग्रेस और भाजपा दोनों से समानता बनाये रखेगी। पार्टी जीतने की क्षमता वाले उम्मीदवारों के चयन को मुख्य प्राथमिकता देगी। पटनायक ने पहले ही संकेत दिया था कि उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया जारी है और उनकी सूची जल्द ही घोषित की जाएगी। उन्होंने कहा कि बीजद चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है। बीजद ने वर्ष 2014 के चुनावों में 147 विधानसभा सीटों में से 117 और लोकसभा की 21 में से 20 सीटें जीती थी।

### सेना के शौर्य और बलिदान का कांग्रेस कब तक करेगी अपमान : भाजपा

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री और प्रदेश सरकार के प्रवक्ता श्रीकांत शर्मा ने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सेना के शौर्य का अपमान कांग्रेस कब करती रहेगी। पार्टी लाइन पर चलने की मजबूरीवश उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष देश को यह भी बताएं कि 26/11 के मुंबई हमले में 166 मासूमों की जान जाने के बाद कांग्रेस ने सेना को यह छूट क्यों नहीं दी? आखिर कौन से वोट बैंक की मजबूरी थी, जो देशहित से समझौता कर लिया? ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आतंकवादियों को आदर्श मानने वाले, आतंकी अफजल को गुरुजी, ओसामा बिन लादेन को जी और अब पुलवामा के हत्यारे अजहर मसूद को भी जी कहकर शहीदों के बलिदान और सेना का अपमान कांग्रेस कब तक करती रहेगी? उन्होंने कहा कि सेना को कमजोर क्यों किया? सेना की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में नाकाम कांग्रेस को बताना चाहिए कि राफेल सौदे को एक दशक तक क्यों लटकाया, अटकाया और भटकाया गया? उन्होंने कहा कि सेना को कमजोर क्यों किया? सेना की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में नाकाम कांग्रेस को बताना चाहिए कि राफेल सौदे को एक दशक तक क्यों लटकाया, अटकाया और भटकाया गया? शर्मा ने कहा कि 55 सालों तक देश पर राज करने वाली कांग्रेस ने 2.5 करोड़ गरीब परिवारों को अंधेरे में क्यों रखा? उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल तक तरीका क्यों नहीं बदला? जबकि मोदी सरकार ने डीबीटी से 1 लाख करोड़ की सब्सिडी की चोरी रोकी। आखिर गरीबों के हिस्से पर कांग्रेस इतने समय से डाका क्यों डालती रही?

### जम्मू में जल्द शुरू होगी रोपवे सेवा, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

**जम्मू।** जम्मू के लोगों को जल्द ही रोपवे प्रोजैक्ट शुरू होने के शुभ समाचार प्राप्त हो सकते हैं। गंडोला प्रोजैक्ट की लगभग पूरी तैयारियां पूरी हो चुकी है। इस बात का संकेत संबंधित एजैंसी ने दे दिए हैं। जम्मू रोपवे प्रोजैक्ट की प्रगति की समीक्षा करने के लिए कमिश्नर सैक्रेटरी टूरिज्म डिपार्टमैंट रिगिजन सै फेल ने एक बार फिर पीरखो साइट का दौरा किया। कमिश्नर सैक्रेटरी ने जम्मू रोपवे शुरू करने के लिए सिविल वर्क्स की तैयारियों की समीक्षा की। दौरे के दौरान उनके जे. एंड के. केबल कार कार्पोरेशन के मैनेजिंग डायरैक्टर शमीम अहमद वानी और अन्य अधिकारी भी साथ थे। एम.डी. ने मीटिंग के दौरान सिविल कार्यों के अलावा प्रोजैक्ट के सभी महत्वपूर्ण कंपोनेंट की जानकारी दी। प्रोजैक्ट से जुड़े एजैंसी के हवाले से बताया गया कि गत दिवस ट्रायल ट्राले हादसे की रिपोर्ट कुछ दिनों में सौंपे जानी है।

### इथोपियन प्लेन क्रैशः दुनिया भर में बोइंग 737 के 117 विमानों पर रोक

**इंटरनैशनल डैस्क।** रविवार को अमेरिका, कोलंबिया और केन्या रूट पर पर 24 घंटों के बीच हुए 4 विमान हादसों ने दुनिया को हिला कर रख दिया । इन हादसों में सबसे बड़ा हादसा इथियोपियन एयरलाइंस विमान का था जिसमें बोइंग 737 मैक्स-8 रविवार सुबह उड़ान भरने के बाद 8600 फीट की ऊंचाई तक पहुंचा और उसके बाद अचानक 441 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से नीचे आकर क्रैश हो गया। इसमें सवार 6 भारतीयों समेत 157 लोगों की मौत हो गई। पांच महीने में यह दूसरा मौका है, जब बोइंग के इसी मॉडल का विमान क्रैश हुआ है। इससे पहले इंडोनेशियाई कंपनी लॉयन एयर का इसी मॉडल का नया विमान जकार्ता में अक्टूबर 2018 में क्रैश हुआ था। इसमें 189 लोगों की मौत हुई थी। इथोपिया में 10 मार्च को इथोपियन एयरलाइंस का एक बोइंग 737 मैक्स-8 विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद दुनिया भर में एयरलाइंस और देश बोइंग के परिचालन को लेकर सावधानी बरत रहे हैं। हादसे के बाद जहां पूरी दुनिया में चीन, इथोपिया, सिंगापुर आस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना आदि देशों ने 737 मैक्स-8 की 117 उड़ानों को बंद कर दिया है वहीं भारत ने इनके परिचालन पर बैन लगाने के बजाय नए निर्देश जारी कर दिए हैं। भारत-अमेरिका ने जारी किए नए निर्देशः चीन, इथियोपिया व सिंगापुर की एयरलाइन्स ने इसका इस्तेमाल रोक दिया है। इंडोनिशिया की विमानन कंपनियों और कैरेबियाई कंपनी केयमैन एयरलाइन्स ने अस्थायी तौर पर बोइंग 737 मैक्स-8 को ऑपरेशन्स से हटा लिया है। रूस ने भी परिवहन मंत्रालय को इस पर विचार करने को कहा है। भारत में जेट एयरवेज ने मैक्स कैटेगरी के बोइंग के 225 विमानों का ऑर्डर दिया था। इनमें से कुछ की डिलिवरी हो चुकी है। भारत में इस समय 17 बोइंग 737 मैक्स-8 विमान हैं ।बताया जाता है कि जेट एयरवेज के बेड़े में अभी 8 मैक्स-8 विमान हैं। स्पाइसजेट ने भी 155 मैक्स-8 विमानों समेत 205 बोइंग प्लेन का ऑर्डर दिया है। स्पाइसजेट के पास अभी 13 मैक्स-8 विमान हैं। जेट एयरवेज के पास जो विमान हैं वो पट्टे का किराया नहीं चुकाने के कारण पहले से ही उड़ान नहीं भर रहे हैं। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने सोमवार को नए दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं जो निम्न प्रकार हैं।

**कांग्रेस - भाजपा**

## लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी कांग्रेस को एक दिन में दो झटके

**नई दिल्ली।**

लोकसभा चुनाव की तैयारी में लगी कांग्रेस को आज दो झटके लगे हैं। पहला झटका महाराष्ट्र में भाजपा ने दिया है और दूसरा बसपा सुप्रीमो मायावती ने। महाराष्ट्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष राधाकृष्ण विखे पाटील के बेटे सुजय विखे पाटील मंगलवार को बीजेपी में शामिल हो गए। बीजेपी में शामिल होने के बाद सुजय ने पार्टी नेताओं की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी चीफ अमित शाह का इसके लिए शुक्रिया अदा करते हैं। सुजय ने कहा, मैंने यह फैसला अपने पिता के खिलाफ लिया है। मुझे नहीं पता कि मेरे पैरंट्स इस फैसले का कितना समर्थन करेंगे, लेकिन बीजेपी के नेतृत्व में मैं अपना सबकुछ झोंक दूंगा ताकि मेरे माता-पिता गर्व महसूस कर सकें। सीएम (देवेंद्र फडणवीस) और बीजेपी विधायकों ने मेरे इस फैसले का पूरा समर्थन किया। उधर, बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज ऐलान किया कि लोकसभा चुनाव में बसपा किसी भी राज्य में कांग्रेस से समझौता नहीं करेगी। हालांकि पार्टी अन्य राज्यों में छोटे-छोटे दलों से समझौता करके चुनाव लड़ती रहेगी। यहां मंगलवार को लोकसभा चुनाव की तैयारी और उम्मीदवारों के नाम तय करने के लिये सभी राज्यों के बसपा प्रमुखों और वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में उन्होंने कहा कि हम किसी भी सूरत में कांग्रेस से चुनावी तालमेल या समझौता नहीं करेंगे। सुश्री मायावती ने बैठक में कहा कि समाजवादी पार्टी (सपा) और बसपा ने उत्तर प्रदेश के अलावा उत्तराखण्ड और मध्यप्रदेश में भी आपसी समझ और सूझबूझ से गठबंधन किया है।

उन्होंने कहा कि बसपा और सपा का गठबंधन पूरी नेकनीयती से काम कर रहा है और तीनों राज्यों में इसे बेहतर गठबंधन के तौर पर माना जा रहा है। उधर, लोकसभा चुनाव 2019 की हुंकार भरने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने सीधे पीएम मोदी और अमित शाह को टक्कर देने के लिए उनके गढ़ में धावा बोला है। 58 साल बाद कांग्रेस सीडब्ल्यूसी की बैठक गुजरात में हुई है।

## गांधी जी कांग्रेस को 1947 में ही भंग करना चाहते थे : मोदी

**नई दिल्ली ।**

लोकसभा चुनाव 2019 के लिए प्रधानमंत्री के घरेलू मैदान से कांग्रेस के चुनाव अभियान शुरू करने के दिन ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ब्लॉग के जरिए देश को बताया कि महात्मा गांधी कांग्रेस को स्वतंत्रता के तत्काल बाद ही भंग करना चाहते थे। गांधी जी और 80 सत्याग्रहियों द्वारा द्वारा 1930 में आज ही के दिन शुरू की गई डांडी यात्रा की 89वीं वर्षगांठ के अवसर पर मोदी ने कहा कि कांग्रेस गांधी जी के सिद्धांतों के एकदम विपरीत है। गुजरात में साबरमती आश्रम से समुद्र तटीय गांव डांडी तक पैदल मार्च कर मुट्ठी भर नमक से ब्रिटिश साम्राज्य को हिलाकर रख देने वाले गांधी जी का अभिवादन करते हुए मोदी ने कहा, यद्यपि डांडी मार्च अनैतिक नमक कानून के खिलाफ शुरू किया गया था, लेकिन इससे ब्रिटिश सरकार की जड़ें हिल गईं और यह अन्याय और असमानता के खिलाफ लड़ाई का सबसे बड़ी प्रतीक बन गया। अपने ब्लॉग पर मोदी ने अपने पाठकों से पूछा, क्या आपको पता है कि डांडी यात्रा की योजना बनाने में मुख्य भूमिका किसकी थी? उन्होंने कहा, वह महान सरदार पटेल थे जिन्होंने 390 किलोमीटर लंबी डांडी यात्रा के प्रत्येक मिनट की योजना बनाने में मुख्य भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, गांधी जी ने अपने कई कार्यों के माध्यम से बताया कि वे असमानता और जातिगत भेदभाव पर विश्वास नहीं करते। दुखद है कि कांग्रेस ने समाज को बांटने में कभी संकोच नहीं किया। मोदी ने गांधी जी के विचारों और कांग्रेस की संस्कृति के विरोधाभासी बिंदुओं का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा, सबसे भयानक जातिगत दंगे और दलित-विरोधी नरसंहार कांग्रेस के शासन में हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांधी जी कांग्रेस की संस्कृति को बहुत

अच्छे से समझते थे, और इसीलिए वे कांग्रेस को भंग करना चाहते थे, विशेष रूप से 1947 के बाद। उन्होंने याद किया कि कैसे ब्रिटिश सरकार सरदार साहेब से डरी हुई थी कि डांडी यात्रा से कुछ समय पहले उसने सरदार पटेल को यह सोचकर गिरफ्तार कर लिया कि शायद गांधी जी इससे डर जाएंगे। उन्होंने कहा, हालांकि, ऐसा कुछ नहीं हुआ। उपनिवेशवाद से लड़ने का महान लक्ष्य सब पर भारी रहा। उन्होंने कहा, गांधी जी ने हमें समाज के सबसे पिछड़े व्यक्ति की दुर्दशा के बारे में सोचना सिखाया और साथ ही यह सोचना सिखाया कि हमारे कार्यों से उस पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

## होली से पहले 150 सीटों पर उम्मीदवार तय कर सकती है भाजपा

**नेशनल डेस्क।**

भारतीय जनता पार्टी होली से पहले करीब 150 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर सकती है। वहीं माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेस में 25-30 सांसदों का टिकट कटेगा। चुनाव की घोषणा के साथ ही भाजपा में बैठकों का दौर शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि अगले तीन चार दिनों में चुनाव समिति की बैठक बुलाई गई है, जिसमें पहले दो चरणों की अधिकतर सीटों के साथ-साथ कुछ अहम सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा हो जाएगी। 18 मार्च से शुरू होगा पहले चरण का नामांकन ध्यान रहे कि पहले दो चरणों की कुल 188 सीटों पर मतदान होना है और इसके लिए नामांकन 18 और 19 मार्च से शुरू हो जाएगा। इन दो चरणों में हालांकि उत्तर प्रदेश की 16 सीटें ही आती हैं, लेकिन कई दौर के सर्वे के आधार पर यह लगभग तय माना जा रहा है कि कम से 40 फीसद सांसदों का टिकट कटेगा। ये ऐसे सांसद हैं, जो अपने संसदीय क्षेत्र में प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। सूत्र यह भी बताते हैं कि इस बार सभी चरणों के उम्मीदवारों का घोषणा पर्याप्त समय पहले कर दी जाएगी।

### पूर्व मंत्री मंजू वर्मा को राहत, आर्म्स एक्ट के मामले में मिली जमानत

**पटना ।** पटना उच्च न्यायालय ने आर्म्स एक्ट के एक मामले में आज बिहार की पूर्व समाज कल्याण मंत्री मंजू वर्मा की जमानत मंजूर कर ली। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह की एकल पीठ ने यहां मंजू वर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करने के बाद उन्हें नियमित जमानत दे दी। इससे पूर्व वर्मा के अधिवक्ता ने जमानत के लिए दलील देते हुए नवंबर 2018 से ही जेल में बंद हैं। कारतूस की बरामदगी घर से जिस वक्त हुई थी उस वक़्त मंजू वर्मा घर में नहीं रह रही थी। हालांकि, ज़मानत याचिका का पुरजोर विरोध अपर लोक अभियोजक (एपीपी) अजय मिश्रा ने किया। अदालत ने याचिकाकर्ता के महिला होने और कारतूस बरामदगी की जगह उनकी अनुपस्थिति के हालातों के मद्देनजर उन्हें जमानत पर मुक्त करने का आदेश दिया।

### राहुल गांधी की फिसली जुबान, आतंकी मसूद अजहर को कह दिया अजहर जी

**नई दिल्ली ।**

चुनाव के नजदीक नेताओं की जुबान फिसलने का सिलसिला जारी है। आज तो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी की जुबान फिसल गई और उन्होंने आतंकी मसूद अजहर को अजहर जी कह दिया। उधर, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक कार्यक्रम में कुख्यात आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर को जी कह कर सम्बोधित करने पर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की कड़ी आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि एक आतंकवादी के लिए उनके मन में सम्मान है। भाजपा ने अपने ट्विटर हैंडल पर वीडियो क्लिप पोस्ट की है जिसमें गांधी को आतंकवादी सरगना को अजहर मसूद जी' कहते हुए दिखाया गया है। इसके साथ भाजपा ने लिखा है, देश के 44 वीर जवानों की शहादत के लिए जिम्मेदार आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना के लिए राहुल गांधी के मन में इतना सम्मान। गांधी सोमवार को यहां कांग्रेस की दिल्ली इकाई द्वारा आयोजित मेरा बूथ मेरा गौरव कार्यक्रम में बूथ अध्यक्षों को सम्बोधित कर रहे थे जिसमें उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा की कड़ी आलोचना की। दरअसल एनएसए अजीत डोभाल पर तंज कसने के दौरान राहुल गांधी ने कहा, पुलवामा हमले में सीआरपीएफ के 40 से 45 जवान शहीद हो गए थे। सीआरपीएफ बस पर किसने बम फोड़ा? जैश-ए-मोहम्मद...मसूद अजहर ने... आपको याद होगा ना? यह वही मसूद अजहर है, जिसे 56 इंच वालों की तब की सरकार ने एयरक्राफ्ट में मसूद अजहर जी के साथ बैठकर अजीत डोभाल कंधार में हवाले करके आ गए थे।

## आलाकमान करेंगे वहीं होगा, मानवेंद्र सिंह के खेमे की चिंता

बाड़मेर। लोकसभा के चुनावी रण में उम्मीदवार उतारने को लेकर कांग्रेस ओर भाजपाइयों के नेताओं ने तैयारी तेज कर दी है। प्रत्याशियों के चयन की कवायद में जुटी कांग्रेस के भीतर बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट को लेकर सियासी उलझनें बढ़ती नजर आ रही है। भाजपा को छोडकर कांग्रेस में शामिल होने वाले मानवेंद्र सिंह की दावेदारी जहां इस सीट पर मजबूत बनी हुई है। वहीं, गहलोत सरकार में कैबिनेट मत्री हरीश चौधरी ने भी अपनी दावेदारी को आगे रखते हुए इस सीट पर प्रत्याशियों के चयन की कवायद को उलझा दिया है। उन्होंने इस सीट पर दावेदारी करते हुए पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी से उनके आवास पर मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि इसी को लेकर वे दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने राहुल गांधी, मुख्यमंत्री गहलोत और प्रदेशाध्यक्ष पायलट से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद जहां मानवेंद्र के खेमे में चिंता बढ़ गई है, वहीं, पार्टी के आलानेता भी असमंजस में पड़ते नजर आने लगे हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार प्रत्याशियों के चयन

के दौरान आला नेताओं का फोकस राजस्थान में पहले चरण में होने वाले मतदान वाली सीटों को लेकर है। इन सीटों में बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीटें भी शामिल हैं। जिन पर मानवेंद्र सिंह की दावेदारी शुरु से ही बनी हुई है। उनके समर्थक भी लगातार इस बात का संकेत दे रहे हैं कि मानवेंद्र सिंह इसी सीट से चुनाव लड़ेंगे। लेकिन, अब इस सीट पर कैबिनेट मंत्री हरीश चौधरी की दावेदारी सामने आने के बाद पार्टी के आलानेताओं के सामने उलझन पैदा हो गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अपनी दावेदारी को पुख्ता करने के लिए हरीश चौधरी दिल्ली में राहुल गांधी से उनके आवास पर मुलाकात भी कर चुके हैं। जिसमें उन्होंने बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट से दावेदारी जताई है। हरीश चौधरी की आलानेताओं के साथ इस मुलाकात के बाद इस सीट को लेकर सियासी माहौल चरम पर पहुंचता नजर आ रहा है।

हरीश चौधरी भी इस सीट से रह चुके हैं पूर्व सांसद हरीश चौधरी के दिल्ली में आलानेताओं से मुलाकात के बाद सियासी माहौल चरम पर जाता नजर आ रहा है। हरीश चौधरी की दावेदारी सामने आने से पहले मानवेंद्र के नाम पर एक राय बनती नजर आ रही थी। लेकिन, अब पार्टी के शीर्ष नेता असमंजस में दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, हरीश चौधरी भी इस सीट से पूर्व सांसद भी रह चुके हैं। ऐसे में दोनों ही नेता अपने क्षेत्र में प्रभावशाली और खास पकड़ रखने वाले हैं।

सभी 25 सीटों को लेकर हो रहा है, लेकिन कमेटी का फोकस फिलहाल पहले फेज की 13 सीटों पर है। इन सीटों के लिए 21 दिन बाद 2 अप्रेल से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची दो फेज में जारी कर सकती है। स्क्रीनिंग कमेटी में सभी सीटों के लिए सिंगल नाम के पैनल तैयार करने पर ज्यादा जोर है।

## संपादकीय

### खैरात में मौत

रोहतक में वोटरों को लुभाने के लिये आयोजित सस्ता अनाज वितरण कार्यक्रम में मची भगदड़ में एक महिला की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है। एक कांग्रेस नेता द्वारा आचारसंहिता लागू होने से ठीक पहले आननफानन में आयोजित कार्यक्रम में जरूरतमंदों को घंटों भूखे-प्यासे खड़ा रखा गया और जब अनाज बांटने की बारी आई तो लोगों का धैर्य जवाब दे गया। फिर अफरातफरी में भगदड़ मची और दुर्घटना हुई। कार्यक्रम में सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी शामिल हुए थे। विडंबना देखिये कि आयोजकों ने प्रशासन से कार्यक्रम के लिये अनुमति लेनी जरूरी नहीं समझी। ऐसे में जहां इस हादसे के लिये आयोजक जिम्मेदार हैं वहीं प्रशासन भी अपनी जवाबदेही से नहीं बच सकता। यह भीड़भाड़ वाला कार्यक्रम रेलवे लाइन के नजदीक आयोजित किया गया, यह जानते हुए भी कि पंजाब में रेलवे लाइन के पास आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में बड़ा हादसा हो चुका है। बहरहाल, रोहतक की दुर्घटना कई सवालों को जन्म देती है। आयोजकों से पूछा जाना चाहिए कि क्यों जरूरतमंदों को सुबह नौ बजे बुलाकर साढ़े तीन बजे तक लाइनों में खड़ा रखा गया? जाहिर बात है कि कथित सस्ते अनाज को पाने के लिये लोगों को धैर्य चूक गया और भगदड़ मच गई। दरअसल, निहित राजनीतिक स्वार्थों के लिये खैरात बांटने का यह अकेला मौका नहीं है। वर्ष 2004 में लखनऊ में वरिष्ठ भाजपा नेता लालजी टंडन के जन्मदिन पर आयोजित साड़ी वितरण कार्यक्रम में भगदड़ मचने से 21 महिलाओं की मौत हो गई थी। ऐसे ही सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह के जन्मदिन पर वर्ष 2014 में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में भगदड़ से एक महिला की मौत हुई थी। ऐसी खबरें दक्षिण भारत से भी अकसर आती रहती हैं। दरअसल, ये घटनाएं हमारे समाज के स्याह सच को बताती हैं। समाज में गरीबी की ऐसी स्थिति है कि लोग सस्ते अनाज व साड़ी के लिये जान दांव पर लगा देते हैं। नेता सही मायनो में गरीबी दूर करने के ठोस कार्यक्रमों पर ध्यान क्यों नहीं देते? वे क्यों उम्मीद पाल लेते हैं कि सस्ता अनाज या साड़ी देकर उनका वोट पक्का हो गया? देश के विकास व तरक्की के तमाम दावों के बावजूद हकीकत बेहद चिंताजनक है कि लोग थोड़े से सस्ते अनाज के लिये सुबह से शाम तक भूखे-प्यासे लाइनों में खड़े रहते हैं। ऐसे में सिर्फ आयोजक ही आपराधिक लापरवाही के लिये जिम्मेदार नहीं हैं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी से वे नेता भी नहीं बच सकते, जिनके लिये यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह हमारे लोकतंत्र की भी विडंबना ही है।

*देश के विकास व तरक्की के तमाम दावों के बावजूद हकीकत बेहद चिंताजनक है कि लोग थोड़े से सस्ते अनाज के लिये सुबह से शाम तक भूखे-प्यासे लाइनों में खड़े रहते हैं। ऐसे में सिर्फ आयोजक ही आपराधिक लापरवाही के लिये जिम्मेदार नहीं हैं बल्कि नैतिक जिम्मेदारी से वे नेता भी नहीं बच सकते, जिनके लिये यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।*

# राजग की संभावनाएं ज्यादा धवल

आम चुनाव/ प्रो. यतीन्द्र सिंह सिसोदिया

*कांग्रेस कुछ प्रमुख मुद्दों पर भाजपा सरकार के नेतृत्व को घेरने का प्रयास करती रही है। उसकी रणनीति इन्हीं मुद्दों के इर्द-गिर्द अपने चुनाव प्रचार को केंद्रित करने की होगी। इस चुनाव में निश्चित रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा और उसको लेकर सरकार का रवैया और विपक्षी दलों की प्रतिक्रियाएं निश्चित रूप से निरन्तर गुंजायमान होगी और यह एक बड़ा चुनावी मुद्दा भी बनेगा। जहां एक ओर इस चुनाव में भाजपा मोदी के सशक्त नेतृत्व को बड़ा आधार बनाने का प्रयास करेगी।अपनी उपलब्धियों के जरिये यह बताने का प्रयास करेगी कि किस तरह से उन्होंने विभिन्न लोक कल्याण की योजनाओं से लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया।*

2019 का चुनाव अलग तरह का होगा। जहां एक ओर 2014 के चुनाव में उस समय की सरकार के विरुद्ध कठोर लहर, जन आंदोलन का उभार, युवाओं में असंतोष, घपलों एवं भ्रष्टाचार के आरोप जैसे कई बड़े आधारों की पृष्ठभूमि ने वैकल्पिक नेतृत्व को स्थान उपलब्ध करवाया, जिसको नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने अधिग्रहित किया और चुनाव में अपना एक वैकल्पिक और सुदृढ़ राजनीति का आख्यान निर्मित किया। जनता ने भाजपा के नेतृत्व वाले राजग को अभूतपूर्व जीत दिलवाई। भाजपा का मत 12 प्रतिशत बढ़ा, जो किसी भी राजनीतिक दल की राष्ट्रीय स्तर पर सफलता का अप्रत्याशित उदाहरण है। कांग्रेस 9.3 फीसद मतों की गिरावट के साथ 44 स्थानों पर सिमट गई और प्राप्त मतों का प्रतिशत केवल 19.3 रहा। 2014 का चुनाव भारतीय संसदीय इतिहास में प्राप्त मत प्रतिशत एवं प्राप्त स्थानों के अनुपात की दृष्टि से किसी भी राजनीतिक दल को सर्वाधिक स्थान प्राप्त होने वाला परिणाम था, जिसका कारण उत्तरी एवं पश्चिमी भारत के लगभग दस राज्यों के 303 में से 243 (80 प्रतिशत) स्थान पर भाजपा को विजय प्राप्त होना था। सत्तारूढ़ भाजपा 2019 के चुनाव में निश्चित रूप से अपने द्वारा किए गए कामों एवं लिये गए बड़े नीति-निर्णयों के आधार पर चुनाव मैदान में जाएगी। कांग्रेस कुछ प्रमुख मुद्दों पर भाजपा सरकार के नेतृत्व को घेरने का प्रयास करती रही है। उसकी रणनीति इन्हीं मुद्दों के इर्द-गिर्द अपने चुनाव प्रचार को केंद्रित करने की होगी। इस चुनाव में निश्चित रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा और उसको लेकर सरकार का रवैया और विपक्षी दलों की प्रतिक्रियाएं निश्चित रूप से निरन्तर गुंजायमान होगी और यह एक बड़ा चुनावी मुद्दा भी बनेगा। जहां एक ओर इस चुनाव में भाजपा मोदी के सशक्त नेतृत्व को बड़ा आधार बनाने का प्रयास करेगी।अपनी उपलब्धियों के जरिये यह बताने का प्रयास करेगी कि किस तरह से उन्होंने विभिन्न लोक कल्याण की योजनाओं से लोगों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया। वहीं प्रमुख प्रतिद्वंद्वी दल उनके नेतृत्व के समय के विमुद्रीकरण, जीएसटी, राफेल, बैंकों से ऋण लेकर भागने वाले लोग, युवाओं में बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने का प्रयास करेंगे। यद्यपि 2014 के विपरीत 2019 के चुनाव व्यापक लहर विहीन, नये मुद्दों, नये आख्यानों एवं नये वैकल्पिक आख्यानों पर आधारित होगा, जिसके कारण यह राष्ट्रीय चुनाव होने के बावजूद विश्लेषण के दृष्टिकोण से 29 राज्यों का चुनाव होगा, जिसका समाकलन राष्ट्रीय परिदृश्य की तस्वीर को स्पष्ट करेगा। इस चुनाव में भी भाजपा के नेतृत्व वाला राजग, कांग्रेस के नेतृत्व वाला संप्रग और तीसरा घटक होगा। भाजपा की जीत में 2014 में उत्तर प्रदेश (73), मध्य प्रदेश (27), गुजरात (26), राजस्थान (25), महाराष्ट्र (23), बिहार (21), कर्नाटक (17), झारखंड (12), छत्तीसगढ़ (10), हरियाणा (7), दिल्ली (7), असम (7), पंजाब (6), उत्तराखंड (5), हिमाचल (4), गोवा (2), जम्मू एवं कश्मीर (2) उल्लेखनीय हैं।भाजपा की सर्वाधिक उल्लेखनीय जीत हिन्दी भाषी क्षेत्रों में हुई है और गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक ने इस संख्या को बढ़ाने में अपनी विशिष्ट भूमिका निभाई है, लेकिन 2014 के पश्चात से लेकर दिसम्बर 2018 तक के विधानसभा चुनावों में कई परिणामों ने नये समीकरणों का जन्म दिया है। राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश में कांग्रेस की वापसी 2019 में नये मतों के विभाजन की ओर संकेत करती हैं, जो हिंदी भाषी राज्यों में कांग्रेस के 2014 के पूरे सफाये के विपरीत चुनौतिपूर्ण स्थिति की संभावना का संकेतक है। उत्तर प्रदेश में नये गठबंधन एवं विपक्ष की लामबंदी भाजपा के लिए चुनौती और चिंता का बड़ा कारण हो सकती है। दक्षिण में कर्नाटक के अतिरिक्त भाजपा की उपस्थिति लगभग नगण्य है। ऐसे में तमिलनाडु में जहां मतदाताओं का सत्तारूढ़ दल के विपरीत जनादेश का दीर्घकालिक अनुभव डीएमके की वापसी की संभावना को प्रबल करता है। भाजपा के प्रमुख घटक दलों में जदयू, शिवसेना, एआईएडीमके, अकाली दल, लोजपा आदि है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह गठबंधन अपने पूर्ववर्ती प्रदर्शन से 2019 में कहां ठहरता है?भाजपा अपनी पूर्ववर्ती मजबूत उपस्थिति वाले राज्यों के अतिरिक्त पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा में विशेष रूप से जोर लगा रही है। ऐसे में यह देखना होगा कि क्या हिंदी भाषी राज्यों में होने वाले संभावित घाटे की भरपाई यहां से हो पाएगी? कांग्रेस के लिए 2019 का चुनाव खोई हुई राजनीतिक प्रतिष्ठा को स्थापित करना है और अपने लिए सत्ता में वापसी का पुरजोर प्रयास करना है। कांग्रेस के पास अपने 2014 के निम्नतम प्रदर्शन से एक उल्लेखनीय छलांग लगाने का अवसर है। विशेष रूप से हिन्दी भाषी क्षेत्रों में अपनी प्रतिष्ठा को पुनर्स्थापित करने एवं अपने लिए तालिका में आंकड़ों की वृद्धि करने की सम्भावना है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संप्रग में सर्वाधिक संभावना डीएमके की दिखाई पड़ती है एवं राजद, जेडीएस तथा एनसीपी का योगदान भी हो सकता है। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग द्वारा 2014 अति उल्लेखनीय प्रदर्शन के समय भी तीसरे घटक अथवा अन्य के पास 147 स्थान थे। ऐसे में 2019 के चुनाव में यह समूह यदि एकीकृत होता है, उसके किसी भी तार्किक परिणीति पर नहीं पहुंचने के बावजूद 2019 के चुनाव में इनकी भूमिका को किसी भी तरह से कमतर करके नहीं आंकी जा सकती। सपा, बसपा, टीएमसी, बीजेडी, टीआरएस, टीडीपी जैसे सभी राजनीतिक दल मिलकर अन्य घटक दलों के पिछले 147 के आंकड़े से आगे भी निकल सकते हैं। ऐसे में 2019 के चुनाव की पूर्व पीठिका कई संभावनाएं प्रस्तुत करती हैं। यद्यपि राजग की संभावनाओं में ज्यादा पैनापन है तथा संभव है कि सभी मिलकर 272 के जादुई आंकड़े को प्राप्त कर ले। यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर कई विकल्प उभरेंगे, जिनमें तीसरे घटक दलों की भूमिका अहम हो जाएगी। साथ ही कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए को प्राप्त कुल स्थान यदि तीसरे घटक दलों से ज्यादा होते हैं तो एक नए समीकरण के बनने की संभावना भी विद्यमान रहेगी।

## आज का राशीफल

**मेष** व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें, दुर्घटना की आशंका है।

**वृषभ** सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है।

**मिथुन** जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। चली आ रही परेशानियों से मुक्ति मिलेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**कर्क** आर्थिक दृष्टि से लाभदायी है। व्यावसायिक मामलों में भी सफलता मिलेगी। स्थानान्तरण का भी लाभ मिल सकता है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा।

**सिंह** व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्थानान्तरण सुखद हो सकता है। नई नौकरी या नवीन वाहन का सुख मिल सकता है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रणय प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा।

**कन्या** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

**तुला** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संबंधित अधिकारी या घर के मुखिया का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**वृश्चिक** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। अनचाही यात्रा करनी पड़ सकती है। विरोधी सक्रिय होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी।

**धनु** राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

**मकर** व्यावसायिक योजना सफल होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। वाद विवाद की स्थिति कष्टकारी होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**कुम्भ** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आपकी राशि से आठवें शनि यात्राएं देगा व थकान देगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। मैत्री संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन व्यय होगा।

**मीन** आर्थिक योजना फलीभूत होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निजी सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

# अपराध की जांच के लिए हो अलग प्रकोष्ठ

अनूप भटनागर

देश की शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र के जालना शहर में करीब 16 साल पहले पांच व्यक्तियों की हत्या और एक महिला से बलात्कार के अपराध में मौत की सजा का सामना कर रहे महाराष्ट्र के छह व्यक्तियों को पिछले सप्ताह बरी करते हुए उनके पुनर्वास के लिये उन्हें पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा देने का फैसला सुनाया। न्यायालय के इस फैसले ने एक बार फिर इस तथ्य को इंगित किया है कि अब हर स्तर पर पुलिस में कानून व्यवस्था और अपराधों की जांच के लिये अलग-अलग प्रकोष्ठ आवश्यक है।

न्यायालय ने पाया कि वास्तव में इस अपराध में इन व्यक्तियों की कोई भूमिका थी ही नहीं और पुलिस ने वास्तविक अपराधियों की बजाय निर्दोष लोगों को फंसा दिया। ये व्यक्ति 16 साल से जेल में बंद थे। ऐसे अनेक मामले सामने आये हैं, जिनमें अदालत ने पाया है कि जांच एजेन्सियों ने अपनी लचर कार्यशैली की वजह से निर्दोष व्यक्तियों को आरोपी बनाकर जेल में डाल दिया। फिर मुकदमे की सुनवाई के दौरान जांच एजेन्सियों की दोषपूर्ण कार्यशैली की कलई खुली। यह भी दिलचस्प है कि इस मामले में शीर्ष अदालत ने अपने ही करीब एक दशक पुराने फैसले पर पुनर्विचार के दौरान यह पाया कि जांच एजेन्सी और अभियोजन ने सही तरीके से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं किया। न्यायालय ने इस मामले में तीन दोषियों की इस अपील पर सुनवाई करने का निश्चय किया था कि शीर्ष अदालत ने 30 अप्रैल, 2009 को तीन अन्य दोषियों की मौत की सजा बरकरार रखते वक्त उनका पक्ष सुना ही नहीं। न्यायालय ने तीन दोषियों की अपील खारिज करने संबंधी अप्रैल 2009 का फैसला वापस लेकर सारे मामले पर पुनर्विचार करने का निश्चय किया क्योंकि इस अपराध के साक्ष्य एक ही थे। इनकी अपील पर पुनर्विचार के दौरान न्यायालय ने पाया कि पुलिस ने उन चार व्यक्तियों को कानून की पकड़ से बच निकलने दिया, जिनकी पहचान इस वारदात में जीवित बची महिला ने 2003 में ही की थी। न्यायालय ने कहा कि ऐसा सिर्फ सही तरीके से जांच नहीं करने की वजह से हुआ। अब न्यायालय ने वारदात की चश्मदीद गवाह द्वारा पहचाने गये चार खतरनाक अपराधियों के मामले में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 173 (8) के तहत आगे जांच के निर्देश दिये हैं ताकि वास्तविक अपराधियों को सजा दिलायी जा सके।

शीर्ष अदालत ने गैरजिम्मेदाराना तरीके से जांच और असल अपराधियों को बचकर निकलने के लिये पुलिस को कड़ी फटकार ही नहीं लगाई बल्कि राज्य के मुख्य सचिव को इस मामले में अभी भी सेवा में कार्यरत अधिकारियों के खिलाफ तीन महीने के भीतर विभागीय कार्रवाई के भी आदेश दिये हैं। यह पहला मौका नहीं है जब न्यायालय ने संगीन से संगीन अपराध की जांच में खामियों के लिये पुलिस और जांच एजेन्सियों को फटकार लगायी है। शीर्ष अदालत का यह निर्णय एक बार फिर पुलिस विभाग में कानून व्यवस्था और अपराधों की जांच के लिये अलग-अलग प्रकोष्ठ की आवश्यकता को इंगित करता है। उत्तर प्रदेश के पूर्व पुलिस महानिदेशक प्रकाश सिंह की जनहित याचिका पर शीर्ष अदालत ने 22 सितंबर, 2006 को पुलिस व्यवस्था में सुधार के बारे में अनेक महत्वपूर्ण निर्देश दिये थे। न्यायमूर्ति वाई. के. सभरवाल, न्यायमूर्ति सी. के. ठक्कर और न्यायमूर्ति पी. के. बालासुब्रमण्यन की पीठ ने केन्द्र और सभी राज्यों को पुलिस सुधार के बारे में अनेक निर्देश दिये थे, जिनमें कानून व्यवस्था और अपराधों की जांच के लिये अलग-अलग प्रकोष्ठ बनाना भी शामिल था। न्यायालय ने कहा था कि किसी भी अपराध की तत्परता और दक्षता के साथ जांच सुनिश्चित करने के लिये अपराध की जांच करने वाली पुलिस को कानून व्यवस्था का काम देखने वाली पुलिस से अलग करना होगा लेकिन इसके बावजूद दोनों प्रकोष्ठों के बीच पूरा समन्वय बनाये रखने की आवश्यकता होगी। न्यायालय ने कहा था कि शुरू में दस लाख या इससे अधिक की आबादी वाले शहरों में पुलिस के कानून व्यवस्था और अपराध की जांच के प्रकोष्ठ को अलग-अलग किया जाये और धीरे-धीरे यह व्यवस्था छोटे शहरों और कस्बों में भी लागू की जाये।

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है राज्य सरकारें किसी न किसी बहाने से इन पर पूरी तरह अमल नहीं कर रही हैं। इसका परिणाम यह हो रहा है कि अक्सर पुलिस और जांच एजेन्सियों की जांच में अदालतों को खामियां मिलती हैं। इस तरह के मामलों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर जरूरी है कि पुलिस की जांच प्रकोष्ठ में शामिल कार्मिकों और अधिकारियों को उनकी अपनी जिम्मेदारियों के साथ ही नागरिकों के अधिकारों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाया जाये।

# निजी डाटा की सुरक्षा से ही बढ़ेगी ई-कॉमर्स की रफ्तार

जयंतीलाल भंडारी अर्थशास्त्री

हाल ही में प्रकाशित रिटेल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत का ई-कॉमर्स बाजार वर्ष 2021 तक 84 अरब डॉलर का हो जाएगा, जबकि 2017 में यह 24 अरब डॉलर का था। भारत में ई-कॉमर्स बाजार सालाना 32 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। देश में इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की संख्या 60 करोड़ से भी अधिक होने के कारण देश में ई-कॉमर्स की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है। इस समय देश की विकास दर सात फीसदी से ऊंची है, इसे नौ फीसदी से अधिक तक पहुंचाने में ई-कॉमर्स की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इस समय देश में परंपरागत खुदरा कारोबार और ई-कॉमर्स, दोनों के विकास की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। अब देश के छोटे और बड़े सभी रिटेल कारोबारियों ने ई-कॉमर्स के महत्व को समझ लिया है और वे इससे जुड़ी चुनौतियों का सामना करने की तैयारी भी कर रहे हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि देश में खुदरा कारोबार में जैसे-जैसे विदेशी निवेश बढ़ा, वैसे-वैसे ई-कॉमर्स की रफ्तार बढ़ती गई। वर्ष 2011 में मल्टी-ब्रांड खुदरा कारोबार में 51 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) और एकल-ब्रांड खुदरा कारोबार में 100 फीसदी एफडीआई की मंजूरी देने का फैसला किया गया था। वर्ष 2016 में सरकार ने मार्केटप्लेस ई-कॉमर्स में 100 फीसदी एफडीआई की मंजूरी दी थी। इस कदम का सर्वाधिक फायदा अमेजन और फ्लिपकार्ट को हुआ। सरकार की इस नीति से ही प्रोत्साहित होकर वालमार्ट ने 2018 की शुरुआत में फ्लिपकार्ट में नियंत्रक हिस्सेदारी लेने के लिए करीब 16 अरब डॉलर का निवेश किया। ई-कॉमर्स में सौ फीसदी विदेशी निवेश की अनुमति है, लेकिन शर्त यह है कि यह घरेलू विक्रेता कंपनियों की बिक्री का ही प्लेटफॉर्म तक सीमित हो। ई-कॉमर्स में विदेशी निवेश के मानक बदलने से इन कंपनियों में ढांचागत बदलाव की जरूरत है। इसलिए नई ई-कॉमर्स नीति के मसौदे से काफी उम्मीदें हैं। इस मसौदे में ऐसी कुछ बातें खासतौर पर कही गई हैं, जिनका संबंध वैश्विक और भारतीय कंपनियों के लिए समान अवसर मुहैया कराने से है, ताकि छूट और विशेष बिक्री के जरिए बाजार को न बिगाड़ा जा सके। मसौदे में कहा गया है कि यह सरकार का दायित्व है कि ई-कॉमर्स से देश की विकास आकांक्षाएं पूरी हों तथा बाजार भी विफलता और विसंगति से बचा रहे। इस मसौदे के तहत ई-कॉमर्स कंपनियों के द्वारा ग्राहकों के डाटा की सुरक्षा और उसके व्यावसायिक इस्तेमाल को लेकर तमाम पाबंदी लगाए जाने का प्रस्ताव है। नई वैश्विक आर्थिक व्यवस्था के तहत भविष्य में डाटा की वही अहमियत होगी, जो आज तेल की है। अभी डाटा एक ऐसा क्षेत्र है, जहां कोई नियम-कानून नहीं है। इसका एक पहलू नागरिक और राजनीतिक अधिकार हैं, जो निजता से जुड़े हैं तथा दूसरा पहलू यह है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में डाटा एक बुनियादी संसाधन है। जिस देश के पास जितना ज्यादा डाटा संरक्षण होगा, वह देश आर्थिक रूप से उतना मजबूत होगा। इसीलिए ई-कॉमर्स नीति के नए मसौदे में डाटा के स्थानीय स्तर और भंडारण के विभिन्न पहलुओं पर जोर दिया गया है। इसे एक अहम आर्थिक संसाधन के रूप में मान्यता देने की बात कही गई है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वह डाटा को भारत में ही रखना चाहती है, ताकि लोगों की व्यक्तिगत जानकारी का संरक्षण हो सके।

पिछले कुछ समय में भारत के उपभोक्ताओं से संबंधित डाटा का विदेशी कंपनियों ने जमकर उपयोग किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने गत वर्ष विभिन्न पेमेंट गेटवे को आदेश दिया था कि वे अपने डाटा को स्थानीय स्तर पर रखें, ताकि केंद्रीय बैंक उसकी बेहतर निगरानी कर सके। यह ध्यान रखा जाना भी जरूरी है कि देश के भीतर बड़े पैमाने पर तैयार डाटा के बिना देसी कंपनियों के द्वारा उच्च मूल्य के डिजिटल उत्पाद तैयार करने की संभावना बहुत कम है। इसीलिए अमेरिका सहित कई देश डाटा संरक्षण के इन कदमों का विरोध कर रहे हैं। डाटा प्रवाह को नियंत्रित करना बेहतर और उपयोगी है, लेकिन इसे व्यावहारिक बनाने के लिए कारगर प्रयासों की जरूरत स्पष्ट दिखाई दे रही है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

# बीटी कपास बीज की कीमत 10 रुपए प्रति पैकेट कम की, मोनसेंटो की रॉयल्टी आधी हुई

**नई दिल्ली।**

केंद्र सरकार ने किसानों के फायदे के लिए जीन स्तर पर संवर्धित (जीएम) बीटी कपास बीजों के अधिकतम बिक्री मूल्य को 10 रुपए कम करके इसे अगले वित्तीय वर्ष के लिए 730 रुपए प्रति पैकेट कर दिया। इसके साथ ही अमेरिका स्थित प्रौद्योगिकी प्रदाता मोनसेंटो की रॉयल्टी में आधी कटौती कर इसे 20 रुपए प्रति पैकेट कर दिया गया है। विश्व स्तर पर मोनसेंटो का अधिग्रहण कर चुके जर्मन फार्मा और एग्रोकेमिकल प्रमुख बायर ने रॉयल्टी मूल्य में कमी किए जाने पर निराशा व्यक्त की है। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने कपास के बीज और रॉयल्टी के अधिकतम बिक्री मूल्य में कमी की है। एक अधिसूचना के अनुसार, वर्ष 2019-20 वित्तीय वर्ष के लिए बीटी कपास बीज पैकेट (450 ग्राम का) की अधिकतम बिक्री का मूल्य बालगार्ड (बीजी) - संस्करण के लिए 730 रुपए, इसमें विशिष्टता मूल्य 20 रुपए भी शामिल है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में, यह दर 740 रुपए प्रति पैकेट का है, जिसमें 39 रुपए विशिष्टता मूल्य भी शमिल हैं। इस कदम से 80 लाख कपास उत्पादकों को लाभ होगा और घरेलू बीज कंपनियों के मार्जिन में वृद्धि होगी, क्योंकि एक मोनसेंटो समूह की एक कंपनी माहिको मोनसेंटो बायोटेक लिमिटेड (एमएमबीएल) को रॉयल्टी शुल्क में भारी कमी की गई है। एमएमबीएल को भारत की विभिन्न बीज कंपनियों के लिए बीटी तकनीक को उप-लाइसेंस पर दिया है। बायर प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हम आज के इस आदेश से बेहद निराश हैं कि भारत भर में कपास के बीजों के 'ट्रेट' शुल्क में और कटौती की गई है। किसानों की लागत से यह कीमत 0.5 प्रतिशत से भी कम थी। आज का फैसला उन्हें और कम करता है।

# जॉनसन एंड जॉनसनः पीड़ित मरीज को 74 लाख रु दे कंपनी, केंद्रीय संस्था ने दिया आदेश

**नई दिल्ली ।**

जॉनसन एंड जॉनसन के कूल्हे के दोषपूर्ण प्रत्यारोपण से प्रभावित मरीजों के लिए मुआवजे पर विचार करने वाली केन्द्रीय विशेषज्ञ समिति ने पहले मरीज को 74 लाख रुपए का मुआवजा दिए जाने की सिफारिश की है। केन्द्रीय दवा नियामक सी.डी.एस.सी.ओ. ने जॉनसन एंड जॉनसन को निर्देश जारी कर 30 दिन के भीतर मुआवजे का भुगतान करने को कहा है। केन्द्रीय विशेषज्ञ समिति ने विस्तृत विचार के बाद ऐसे मरीजों के लिए मुआवजा तय करने का फार्मूला तैयार किया है। समिति ने सुझाव दिया था कि मरीजों को उन्हें हुई विकलांगता के आधार पर मुआवजे का भुगतान किया जाना चाहिए। अनुमान है कि 4,000 से ज्यादा मरीज प्रभावित हुए हैं। सरकार ने जॉनसन एंड जॉनसन की सहायक डी. मैडीकल को पत्र लिखकर वर्ष 2025 तक मुआवजा देने को कहा है। यही कम्पनी उपकरण बनाती है। साल 2011 से कई लोगों ने शिकायत दर्ज कराई है कि कूल्हे के प्रत्यारोपण के लिए उनकी कम्पनी की तरफ से मुहैया कराए गए उपकरण दोषपूर्ण हैं। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफ.डी.ए.) ने मामला अपने हाथ में लिया और साल 2014 में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई। इसमें जॉनसन एंड जॉनसन की सहायक डी सिन्थेस का नाम था लेकिन कानूनी अड़चनों के चलते प्राधिकरण ने मुआवजे पर जोर नहीं दिया। इसके बाद मामला बंबई उच्च न्यायालय पहुंचा। अदालत ने एफ.डी.ए. को सलाह दी कि वह जांच जारी रखे लेकिन तब से कुछ भी नहीं हुआ। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस मामले की समीक्षा के लिए एक समिति का गठन वर्ष 2017 में किया। इसने फरवरी में अपनी रिपोर्ट सौंपी। मंगलवार को सार्वजनिक की गई इस रिपोर्ट में समिति ने कहा है कि कम्पनी ने ऐसे दोषपूर्ण प्रत्यारोपण से प्रभावित मरीजों के लिए कोई उपचारात्मक कदम नहीं उठाया।

# 20 ट्रैक्टर ट्राली के खिलाफ कार्रवाई

गोरखपुर ब्यूरो। एस पी ट्रैफिक आदित्य प्रकाश वर्मा ने सुबह सुबह रूस्तमपुर ढाले के पास आकस्मिक निरीक्षण किया। इसी दौरान उन्होंने 20 ट्रैक्टर ट्राली के खिलाफ कार्रवाई की ।बातचीत के दौरान एसपी ट्रैफिक आदित्य प्रकाश वर्मा ने कहा कि यह निरीक्षण लगातार चलता रहेगा। रेलवे बस स्टेशन के पास लावारिस अवस्था में पड़े सामानों को भी हटवाए गया।इस दौरान आजाद नगर चौकी इंचार्ज दीपक सिंह टीएसआई सुनील कुमार सिंह जेपी सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

# रंगित जल बिजली परियोजना खरीदने की तैयारी मेंएनएचपीसी

**नई दिल्ली।**

लैंको की तीस्ता-चार परियोजना की बोली से उत्साहित सरकारी क्षेत्र की जल विद्युत कंपनी एनएचपीसी सिक्किम में जल पावर कॉरपोरेशन की रंगित जल विद्युत परियोजना के लिए बोली लगाएगी. रंगित परियोजना दिवाला प्रक्रिया से गुजर रही है. एनएचपीसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक बलराज जोशी ने यह बात कही. रंगित के चौथे चरण की 120 मेगावाट की परियोजना संकटग्रस्त संपत्ति है और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में उसकी दिवाला प्रक्रिया चल रही है. इस महीने की शुरुआत में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने सिक्किम में लैंको तीस्ता जल विद्युत परियोजना के एनएचपीसी के अधिग्रहण प्रस्ताव को मंजूरी दी थी. एनएचपीसी ने इसके लिए 907 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी. जोशी ने संवाददाता सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा , ÷ हम एक और परियोजना को लेकर विचार कर रहे हैं. यह भी सिक्किम में ही है. हम बोली खुलने का इंतजार कर रहे हैं. यह जल पावर की परियोजना है. यह भी उसी स्थिति में जिस स्थिति में तीस्ता - चार थी. रुचि पत्र देने के लिए अभी तक नहीं कहा गया है. एनसीएलटी 15 मार्च को मामले की सुनवाई करेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने बढ़ाई सेंट्रल, ओवरसीज बैंकों की रेटिंग

**नई दिल्ली।** वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक की विदेशी मुद्रा जमा रेटिंग बढ़ाकर बीए-2 कर दी है, जो अब तक बीए-3 थी। इसके अलावा एजेंसी ने बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की घरेलू और विदेशी नकदी जमा रेटिंग भी बीएए3/पी-3 निर्धारित कर दी है। मूडीज ने कहा कि ऋण समाधान प्रक्रिया में सुधार और सरकार के पुनर्पूंजीकरण की वजह से कमजोर सरकारी बैंकों में शुमार सेंट्रल बैंक और आईओबी की रेटिंग बढ़ाई है।

### माल्या की कंपनी के पास पड़े 1,025 करोड़ रुपए के शेयर यूबीएचएल को स्थानांतरित

**नई दिल्ली।** शराब बनाने वाली कंपनी यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड (यूबीएचएल) ने सोमवार को कहा कि बेंगलूरु स्थिति कर्ज वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) ने यूनाइटेड ब्रुअरीज (होल्डिंग्स) लिमिटेड (यूबीएचएल) के नाम के उसके शेयर उसे हस्तांतरित कर कर दिए हैं। विजय माल्या से जुड़ी यूबीएचएल के पास यूबीएल की 2.80 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, जिसका मूल्य 1,025 करोड़ रुपए के आस-पास बैठता है। यूबीएल ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, बेंगलुरू में डीआरटी- दो के वसूली अधिकारी प्रथम ने 74,04,932 इक्विटी शेयरों का स्थानांतरण किया है। दिसंबर तिमाही में बंबई शेयर बाजार को दिए आंकड़ों के मुताबिक, यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड में माल्या से जुड़ी यूनाइटेड ब्रुअरीज (होल्डिंग्स) लिमिटेड (यूबीएचएल) की 2.80 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। आठ मार्च 2019 को यूनाइटेड ब्रुअरीज लिमिटेड के एक शेयर का मूल्य 1,389.97 रुपए था, इस लिहाज से 74,04,932 इक्विटी शेयरों का अनुमानित मूल्य 1,029.26 करोड़ रुपए बैठता है। बैंक समेत विभिन्न ऋणदाता माल्या द्वारा लिए गए कर्ज की वसूली के लिए यूनाइटेड ब्रुअरीज (होल्डिंग्स) लिमिटेड पर दबाव बना रहे हैं। विजय माल्या बैंकों से 9,000 करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज लेकर देश से फरार होकर ब्रिटेन भाग गए हैं। भारत की ओर से उनके प्रत्यर्पण की कोशिशें जोर-शोर से की जा रही हैं।

### सस्ता होगा घर खरीदना, लाखों की होगी बचत

**नई दिल्ली।** 1 अप्रैल से घर खरीदना आसान हो जाएगा। जीएसटी काउंसिल के अंडर कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट और सस्ते घरों पर जीएसटी घटाने से आपको घर खरीदते समय लाखों का फायदा मिलेगा। अगर आप पहली बार घर अंडर कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में फ्लैट खरीद रहे हैं तो अभी तक 12 प्रतिशत की दर से जीएसटी का भुगतान करना होता है। वहीं एक अप्रैल से यह दर घटकर 5 फीसदी हो जाएगी, जिस कारण जीएसटी में 7 फीसदी की कमी आएगी। जिसका सीधा असर मकान लेते समय लेनदेन पर होगा। इसके चलते 45 लाख रुपए की प्रॉपर्टी पर 3.15 लाख रुपए की सीधे बचत होगी। अगर आप पहली दफा घर खरीदने जा रहे हैं तो प्रधानमंत्री आवासीय योजना के तहत होम लोन पर 2.67 लाख रुपए की सब्सिडी मिलेगी। इस तरह कुल 5.82 लाख रुपए की बचत होगी।

### पेट्रोल-डीजल की कीमतों में पांच पैसे की कमी

**नयी दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत देश भर में मंगलवार को तेल की कीमतों में पांच पैसे तक की गिरावट दर्ज की गयी। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत में आज पांच पैसे की गिरावट के साथ अब यह 72.41 रुपये प्रति लीटर हो गयी जबकि डीजल में भी इतनी ही कमी के साथ यह 67.37 रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले सोमवार को दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 72.46 थी जबकि डीजल 67.44 रुपये में बेची जा रही थी। मंगलवार को मुंबई में भी पांच पैसे की कमी के साथ पेट्रोल की कीमत 78.04 रुपये हो गयी जबकि डीजल की कीमत सात पैसे की कमी के साथ 70.58 रुपये पर पहुंच गयी। भारतीय तेल निगम की वेबसाइट के मुताबिक कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 74.49रु. और 69.16 रु. हो गयी है जबकि चेन्नई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 75.20 और 71.20 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल की कीमत 72.42 प्रति ली. और डीजल की कीमत 66.45 रुपये है। गुरूग्राम में पेट्रोल की कीमत 66.35 प्रति ली. और डीजल की कीमत 66.35 रुपये प्रति ली. है।

### अमेरिकी डॉलर के मुकाबले चीन के युआन में मजबूती

**बीजिंग।** चीन की मुद्रा युआन में मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूती रही। चीनी विदेशी मुद्रा विनिमय व्यापार प्रणाली में युआन 74 आधार अंकों की बढ़त के साथ डॉलर के मुकाबले 6.7128 पर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के हाजिर विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में युआन को प्रत्येक कारोबारी दिन केंद्रीय समता मूल्य से अधिकतम दो फीसदी कमजोर होने या मजबूत होने दिया जा सकता है। डॉलर के मुकाबले युआन का केंद्रीय समता मूल्य प्रत्येक कारोबारी दिन अंतरबैंक बाजार खुलने से पहले बाजार के विविध घटकों द्वारा पेश मूल्य के भारित औसत के बराबर होता है।

### जेवराती मांग आने से सोना चमका, चांदी भी मजबूत

**नई दिल्ली।** वैश्विक स्तर पर पीली धातु में गिरावट के बीच स्थानीय जेवराती मांग आने से दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 80 रुपए चमककर 33,250 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। चांदी भी लगातार तीसरे दिन चढ़ते हुए एक सप्ताह से ज्यादा के उच्चतम स्तर 39,530 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही। विदेशी बाजारों में डॉलर में मजबूती लौटने से सोने पर दबाव रहा। सोना हाजिर 2.15 डॉलर फिसलकर 1,295.90 डॉलर प्रति औंस रह गया। अप्रैल का अमेरिकी सोना वायदा भी तीन डॉलर टूटकर 1,296.30 डॉलर प्रति औंस बोला गया। बाजार विश्लेषकों ने बताया कि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर के मजबूत रहने से पीली धातु दबाव में आ गई। हालांकि वैश्विक आर्थिक सुस्ती की आशंका को देखते हुए गत कारोबारी दिवस में सोने में मजबूती रही थी। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चांदी हाजिर 0.01 डॉलर की तेजी में 15.30 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

# पाकिस्तान में टमाटर की सप्लाई शुरू, लेकिन भाड़ा चार गुना बढ़ा

**नई दिल्ली।**

पुलवामा हमले के बाद पूरे देश में आक्रोश का माहौल था जिसका असर भारत और पाकिस्तान के व्यापारिक रिश्तों पर पड़ा। सड़क मार्ग से होने वाली कई जरूरी वस्तुओं की सप्लाई में कमी आई है। दोनों देशों के बीच तनाव के चलते कारोबार ठप हो गया था और ट्रकों की आवाजाही भी रुक गई थी। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव घटते ही बीते एक महीने से बंद पड़ी टमाटर की सप्लाई फिर शुरू हो गई है, हालांकि आम रूट अब भी बंद होने से ट्रेडर्स को यह महंगा पड़ रहा है। अभी सिर्फ श्रीनगर-मुजफ्फराबाद मार्ग से ही माल जा रहा है, जिसका ढुलाई खर्च अटारी रूट के मुकाबले दो से चार गुना तक बढ़ गया है। पाकिस्तान को टमाटर सप्लाई के सबसे बड़े केंद्र आजादपुर में टमाटर व्यापार संघ के प्रेजिडेंट ने बताया, 'तनाव घटने के साथ सप्लाई शुरू हुई है, लेकिन ट्रेड के लिहाज से इसे नॉर्मल नहीं कहा जा सकता। अभी सिर्फ श्रीनगर-मुजफ्फराबाद मार्ग से ही रोजाना 15 से 20 ट्रक माल जा रहा है जबकि आम दिनों में पाकिस्तान को रोजाना 75 से 100 ट्रक सप्लाई होती है।' उन्होंने बताया कि अटारी रूट से दिल्ली से पाकिस्तान की मंडियों तक माल पहुंचाने का आम खर्च 25,000 रुपए प्रति ट्रक होता है, जो श्रीनगर मार्ग से 50,000 से लेकर 1 लाख रुपए तक पहुंच गया है। कश्मीर में एंट्री पर अतिरिक्त चार्जेज हैं लेकिन कई पॉइंट्स पर अनधिकृत वसूली से यह खर्च और बढ़ जाता है। ट्रेडर्स ने अब अटारी-वाघा मार्ग से सप्लाई शुरू करने के लिए ।

# जेट को बचाने के लिए एतिहाद व एनआई आईएफ करेंगे 4,000 करोड़ रुपए का निवेश

**नई दिल्ली।**

एतिहाद एयरवेज और उसकी नई पार्टनर नेशनल इनवेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) मिलकर जेट एयरवेज को उबारने के लिए करीब 4,000 करोड़ का निवेश करेंगी। इसके बदले में जेट के संस्थापक नरेश गोयल और उनकी पत्नी को कंपनी में सारे पद छोड़ने होंगे और उन्हें बोर्ड से हटना पड़ेगा। कंपनी के बड़े शेयरहोल्डर्स और बोर्ड जिस ड्राफ्ट प्रपोजल पर चर्चा कर रहे हैं, उससे यह जानकारी मिली है। इस प्रपोजल के मुताबिक, बैंकों ने जेट को जो कर्ज दिया है, वे उसमें से एक हिस्से को कंपनी के शेयरों में बदलेंगे। जेट एयरवेज, जेट प्रिविलेज में अपनी 51 फीसदी हिस्सेदारी को बैंकों के पास गिरवी रखकर और कर्ज लेगी। अगर इस प्रस्ताव को मंजूर किया जाता है तो जेट एयरवेज में गोयल का सफर खत्म हो जाएगा और कंपनी के कामकाज में एतिहाद और एनआईआईएफ की चलेगी। दोनों पार्टनर्स 3,800 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे, जबकि अंतरिम फंडिंग के लिए एतिहाद कंपनी को 750 करोड़ रुपए देगी। गोयल पहले ही जेट एयरवेज में 250 करोड़ रुपए लगा चुके हैं। इसके अलावा, गोयल ग्रुप की कंपनियों को जेट को 450 करोड़ रुपए का भुगतान करना है। इन दोनों रकम के बदले गोयल को कंपनी के शेयर दिए जाएंगे। एनआईआईएफ 1,900 करोड़ रुपए का निवेश कंपनी में करेगा और उसे 20 फीसदी हिस्सेदारी मिलेगी। एतिहाद एविएशन ग्रुप के सीईओ टोनी डगलस को लिखे लेटर में गोयल ने कहा है कि प्रपोजल में उनकी और उनके परिवार की हिस्सेदारी को हमेशा के लिए 22 फीसदी तक सीमित करने की बात लिखी है। इसमें से %हमेशा% शब्द को हटा दिया जाए। उन्होंने एतिहाद से एयरलाइन के लिए फौरन 750 करोड़ रुपए की फंडिंग मांगी है। उन्होंने लिखा है कि यह पैसा मिलेगा, तभी बैंक भी कंपनी को इतना कर्ज देंगे। एतिहाद के ड्राफ्ट प्रपोजल शेयर करने के कुछ ही घंटे बाद यह लेटर लिखा गया है। गोयल ने इसमें कंपनी की नाजुक स्थिति का जिक्र किया है। उन्होंने लिखा है कि कंपनी के 50 से अधिक एयरक्राफ्ट उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। वेंडरों और सैलरी का बकाया बढ़ता जा रहा है। इसलिए अंतरिम फंडिंग बहुत जरूरी है। जेट एयरवेज के शेयरहोल्डर्स की पिछले महीने एक मीटिंग हुई थी, जिसमें ऑथराइज्ड शेयर कैपिटल बढ़ाने और लोन के बदले शेयर इश्यू करने पर सहमति बनी थी। ड्राफ्ट प्रपोजल और अभी जो चर्चा चल रही है, उसका मकसद कंपनी की फंडिंग और रिस्ट्रक्चरिंग प्लान को अंतिम रूप देना है।

### घर बैठे बनाएं स्मार्ट ड्राइविंग लाइसेंस,

**नई दिल्ली।** ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए अकसर लोगों को फार्म भरवाने, डाक्यूमेंट, व उसे सबमिट करवाने को लेकर काफी पापड़ बेलने पड़ते है। जिस कारण काफी समय खराब हो जाता है। इसके लिए आप घर बैठे अपना ड्राइविंग लाइसेंस बनवा सकते है। इसका तरीका हम आपको बताने जा रहे है। शुरू में आपको लर्निंग लाइसेंस बनवाना होगा। ऑन लाइन लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया बेहद आसान है। राजमार्ग मंत्रालय की वेबसाइट पर जाकर आप एप्लाई कर सकते हैं। साइट को खोलने के बाद पहले अपना राज्य चुनें. फिर लर्नर के ऑप्शन पर क्लिक करने पर पूरा फॉर्म खुल जाएगा। फॉर्म भरने के बाद एक नंबर जेनरेट होगा, जिसे सेव कर लें। यहां आपको उम्र प्रमाण पत्र, एड्रैस प्रूफ, आईडी प्रूफ अटैच करना होता है। फिर आपकों फोटो और डिजिटल सिग्नेचर अपलोड करना होगा। लर्निंग लाइसेंस के लिए फीस 200 रुपये है। उसके बाद ड्राइविंग टेस्ट के लिए स्लॉट बुक कराना होगा। स्लॉट का चुनाव करने के दौरान फीस भरनी होती है। इसके बाद रजिस्टर्ड नंबर पर एक मैसेज आएगा, जिसे सेव करना है। फिर आपको एक मैसेज मिलेगा जिसमें आपके टेस्ट के लिए अपॉइंटमेंट डेट होगी। उस तारीख को ऑफिस जाकर आपकों टेस्ट देना होगा। ये टेस्ट आनलाइन होगा जिसमें आपको यातायात के नियमों व चिन्हों के बारे में जानकारी देनी होगी। टेस्ट में पास हो जाने पर 48 घंटे के भीतर ऑनलाइन लर्निंग लाइसेंस ऑनलाइन मिल जाएगा। जो 6 महीने तक ये लर्निंग लाइसेंस वेलिड होगा। फिर आप 2 से 5 महीने के बीच परमानेंट लाइसेंस के लिए अप्लाई कर सकते है।

# आरकॉम मामले में एनसीएलटी की एसबीआई को कड़ी फटकार, कहा- आपने केवल सपने दिखाए

**नई दिल्ली ।**

नेशनल कंपनी लॉ अपेलिट ट्रिब्यूनल ने कर्ज में डूबी रिलायंस टेलीकॉम कंपनी की संपत्ति रिलायंस जियो को बेचकर 37 हजार करोड़ रुपये प्राप्त होने का गलत अहसास कराया. चेयरमैन न्यायाधीश एसजे मुखोपाध्याय की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने रिलायंस कम्युनिकेशन को कर्ज देने वाले बैंकों खासकर एसबीआई को फटकार लगाई और पूछा कि इसके लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए. पीठ ने कहा, आपने जो बातें कहीं, उसे पूरा करने में विफल रहे. संयुक्त कर्जदाता समूह विफल रहा है. कोई बिक्री नहीं हुई. पीठ ने यह भी कहा कि कर्जदाताओं ने संपत्ति को बेचकर करीब 37 हजार करोड़ रुपये की वसूली को लेकर एनसीएलएटी को सपने दिखाए, लेकिन कुछ नहीं हुआ. ट्रिब्यूनल ने यह भी कहा कि आपने आरकॉम के साथ बैठकर तालियां बजायी और दावा किया कि आप रिलायंस जियो को संपत्ति बेचकर करीब 37,000 करोड़ जुटा लेंगे. पहले आपने प्रतिदिन करोड़ रुपये के नुकसान की बात कही थी. एनसीएलटी ने कहा कि संपत्ति बिक्री से राशि प्राप्त करने में विफल रहने के बाद कर्जदाता अब कंपनी को आयकर रिफंड से प्राप्त 260 करोड़ रुपये की वसूली में लगे हैं. एनसीएलएटी आरकॉम की उस याचिका पर सुनवाई कर रही है जिसमें उस पर 4 फरवरी को लगाई गई रोक को हटाने का आग्रह किया गया है।

हालांकि, उसके कर्जदाता एरिक्सन को 550 करोड़ रुपये देने के लिए आयकर रिफंड जारी करने की अर्जी का विरोध कर रहे हैं. ट्रिब्यूनल ने कर्जदाताओं से पूछा कि आखिर सुप्रीम के आदेश के तहत क्यों नहीं आयकर रिफंड जारी करने के निर्देश दिये जाने चाहिए. एनसीएलएटी ने सभी कर्जदाताओं से इस बारे में दो पेज का जवाब देने के लिए कहा।

# टेम्पो की चपेट में आकर युवक की मौत

सूरत। सूरत जिला के ओलपाड़ तहसील में 10 मार्च के दिन शाम के वक्त एक टेम्पो चालक ने युवक को टक्कर मार दी थी। प्राथमिक उपचार के लिए ओलपाड़ के स्वास्थ्य अस्पताल में और फिर अधिक उपचार के लिए नई सिविल अस्पताल में ले जाया गया था। इस बीच सोमवार सुबह 7 बजे के करीब उसकी मौत हो गई।

सूरत जिले के ओलपाड़ तहसील स्थित अनामीग गाम में रहने वाला 24 वर्षीय नगीन नानु राठोड़ 10 मार्च के दिन शाम 7 बजे के करीब किसी काम से बाहर जा रहा था। इस दौरान एलियागाम और टकारागाम के बीच किसी अनजान टेम्पो चालक ने उसे टक्कर मार दी, जिससे बेहोशी की अवस्था में फौरन उसे ओलपाड़ के स्वास्थ्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। और फिर वहां से अधिक उपचार के लिए नई सिविल अस्पताल में रिफर किया गया। लेकिन सिर में गंभीर चोट लगने से नगीन की मौत हो गई।

# रोड़ किनारे कार खड़ी करो तो माफी लेकिन रोजी रोटी के लिए सड़क से दुर खाड़ी के किनारे भी अगर ट्रक पार्क किया तो सजा

सूरत। सूरत मनपा की दोहरी नीति का खुल्लेआम हो रहा प्रदर्शन, जहां एक तरफ रोड़ पर पार्किंग करने पर भी कोई कार्यवाही नहीं कि जाती है वहीं दुसरी तरफ रोड़ से दुर खाड़ी के किनारे खड़े ट्रकों पर सूरत मनपा के द्वारा जुर्माना लगा दिया जाता है। ऐसे में एक सवाल खड़ा होता है कि साउथ जोन से लेकर जीवन ज्योत की कोयली खाड़ी तक कतार में लगी गाड़ियों पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं की जा रही है। और जब युपी नंबर कोई ट्रक माल खाली करने के लिए सूरत में आता है मनपा कर्मचारी अपनी जेब भरने के लिए उसके चारों और मंडराने लगते है और उस पर मोटा जुर्माना लगा देते है।

# मार्केट के व्यापारी से पार्टनर ने की 8 लाख की धोखाधड़ी

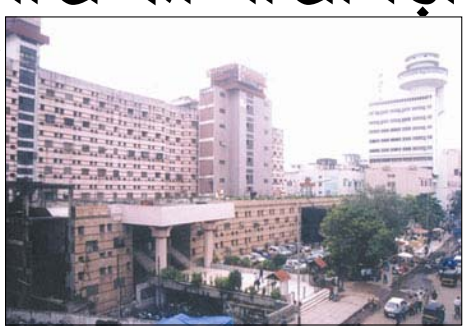

सूरत। रिंगरोड की न्यु टैक्सटाइल मार्केट के व्यापारी के साथ उसके वर्किंग पार्टनर द्वारा धोखाधड़ी किए जाने की शिकायत पुलिस थाने में दर्ज हुई है।

सलाबतपुरा पुलिस की जानकारी के अनुसार कतारगाम आश्रम रोड रामनगर सोसायटी में रहनेवाले भूपत नानजी तावेथिया रिंगरोड न्यु टैक्सटाइल मार्केट में दुकान चलाते हैं। भूपत के साथ आकाश प्रागजी चलोडिया (निवा. पंचदेव सोसायटी, कतारगाम) वर्किंग पार्टनर के तौर पर कार्य करते थे। इस दौरान आकाश ने अक्टूबर 2017 में नीरव जमनादास सेंजलिया (निवा. श्याम सृष्टि एपार्टमेन्ट, अडाजन) को अपनी पहचान और जि मेदारी पर 5,49,800 रुपए का माल दिलाया था। इस विक्रय की वसूली अभी बकाया थी उस पर आकाश ने विविध पार्टियों के पास से बकाया राशि 2,55,380 रुपए की वसूली कर पेढी में जमा नहीं कराए। इस संबंध में भूपत को जानकारी होने पर गत रोज शिकायत दर्ज हुई।

# युवक ने की आत्महत्या व्यापारी ने की 26.57 लाख की धोखाधड़ी

सूरत। सूरत शहर के पांडेसरा विस्तार स्थित नारायण नगर में रहने वाले एक श्रमिक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मूल एमपी का निवासी अर्जुन संचा खाता में काम करता था। मृतक की पत्नी ने जानकारी देते हुए कहा है कि पिछले 15 दिनों से मेरी लिवर की बिमारी के कारण मानसिक तनाव में आकर पति ने आत्महत्या का कदम उठाया है। तत्काल सेवा 108 के कर्मचारियों ने जानकारी दी है कि सुबह लगभग सात बजे उन्हें कॉल आया था। मृतदेह को पड़ोशियों ने नीचे उतार लिया था। मृतक अर्जुन ने गले में दुपट्टा बांधकर आत्महत्या की थी। अर्जुनभाई के मासुम बच्चों ने कहा कि मम्मी 15 दिनों से सिविल अस्पताल में भर्ती है।

सूरत। सूरत कडोदरा रोड सारोली गेट के सामने हरिओम इण्डस्ट्रीयल में स्थित ए ब्रॉयडरी कारखानेदार के पास से साड़ी पर जॉबवर्क कराने के बाद 26.57 लाख रुपए नहीं चुकानेवाले व्यापारियों के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज हुई है।

पूणा पुलिस के पास से मिली जानकारी के अनुसार पूणा पाटिया विनायक रेसीडेन्सी में रहनेवाला अर्जुन दिलीप विरडिया ए ब्रॉयडरी जॉबवर्क का काम करता है और सारोली गेट के पास हरिओम इण्डस्ट्रीज में खाता चलाता है। अर्जुन के पास से गत अगस्त 2018 में सागर प्रवीण वगासिया (निवा. सावरकुंडला, अमरेली) और सुरेश बलर (निवा. आगम रेसीडेन्सी, कठोदरा गाम ) ने साड़ी पर जॉबवर्क कराया था। जिसकी मजदूरी के 26,57,478 रुपए लेना बकाया था। वसूली करने के बावजूद आरोपियों ने भुगतान नहीं दिया।

## राहुल ने हार्दिक पटेल को कांग्रेस का खेस पहनाया

# पाटीदारों के आंतरिक विरोध के बीच हार्दिक कांग्रेस में शामिल

**हार्दिक ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद भाषण में भाजपा और मोदी पर निशाना : चौकीदार चोर है के नारे लगाये**

अहमदाबाद । पाटीदार आरक्षण आंदोलन से विवादों में आये हार्दिक पटेल आखिर में कांग्रेस में शामिल हो गये है । अहमदाबाद में कांग्रेस महासमिति की (सीडबल्युसी) बैठक के अवसर पर विधिवत रूप से हार्दिक का कांग्रेस में एंट्री हुआ। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने हार्दिक पटेल को खेस पहनाकर इसे कांग्रेस में स्वागत किया गया । कांग्रेस में शामिल होने के बाद हार्दिक पटेल ने अडालज त्रिमंदिर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए अपने संबोधन में भाजपा और मोदी सरकार पर निशाना साधा और एक समय में प्रधानमंत्री मोदी को लेकर चौकीदार चोर है के नारे मौजूद लोगों के से लगवाये गये। दूसरी तरफ, हार्दिक पटेल कांग्रेस में शामिल होने से पाटीदारों में आंतरिक विरोध शुरू हो गया है । एसपीजी के लालजी पटेल ने भी खुला विरोध करके हार्दिक को अब चुनाव जीतकर बताये यह चुनौती दी है। दूसरी तरफ, हार्दिक पटेल के कांग्रेस में शामिल होने का यह समीकरण गुजरात कांग्रेस को लाभ कराये यह प्रथम दृष्टि में लग रहा है क्योंकि अब आगामी लोकसभा चुनाव में पाटीदार के मत मिलने की अपेक्षा है। लेकिन यहां से गुजरात कांग्रेस में दूसरी एक विवाद रेखा है जिसके एक तरफ हार्दिक पटेल और दूसरी तरफ अल्पेश ठाकोर है।

दोनों युवा नेता है और दोनों महत्वाकांक्षी है जिसकी वजह से गुजरात कांग्रेस में सत्ता की जंग ज्यादा होगी यह निश्चित है । अल्पेश ठाकोर विधायक बनने के बाद इसे कांग्रेस महासमिति ने बिहार की जिम्मेदारी दी गई। लेकिन गुजरात में परप्रांतियों पर हमला शुरू हुआ । यह विवाद में अल्पेश का नाम सामने आने पर यूपी और बिहार में अल्पेश की वजह से कांग्रेस की स्थिति खराब हो गई थी। अल्पेश अभी बिहार का सह-प्रभारी है लेकिन इसे महाराष्ट्र का प्रभारी बनना है । जबकि अनधिकृत रूप से सूत्रों के अनुसार हार्दिक की इच्छा महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रभारी बनने वाले है । गुजरात बाहर कांग्रेस का चेहरा बनने के लिए हार्दिक और अल्पेश के बीच स्पर्धा शुरू हो गई है ।

## पहली बार गांधी परिवार एक साथ दिखाई दिए है

अहमदाबाद । ५८ वर्ष बाद गुजरात में हो रही कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में हिस्सा लेने के लिए आये गांधी परिवार ने मंगलवार को सुबह में गांधी आश्रम की मुलाकात की । जहां राहुल गांधी ने आश्रम की विजिटर बुक में लिखा कि, गांधी आश्रम काफी प्रेरणादायक स्थल है। हमारे नेता को सक्रिय रखने के लिए आभार। सोनिया गांधी ने भी महात्मा गांधी की प्रतिमा को श्रद्धांजलि अर्पित करके आश्रम की मुलाकात लेकर विजिटर बुक में महात्मा गांधी की प्रेरणा विषय में लिखा था।

**प्रियंका ने प्रोटोकॉल बनाए रखकर महासचिवों के साथ बैठी**

५८ वर्ष बाद मंगलवार को अहमदाबाद में कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें हिस्सा लेने के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी अहमदाबाद पहुंचे थे । गुजरात कांग्रेस द्वारा सुबह में गांधी आश्रम में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई थी । जिसमें प्रियंका गांधी ने प्रोटोकॉल बनाए रखकर विभिन्न राज्य के कांग्रेस महासचिव की चौथी लाइन में बैठी थी ।

## सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी की मौजूदगी

# ऐतिहासिक दिन पर गांधी आश्रम में प्रार्थना सभा आयोजित की

**गांधी परिवार ने महात्मा गांधीजी को श्रद्धांजलि दी डॉ. मनमोहन, अहमद पटेल सहित के नेता भी सभा में शामिल**

अहमदाबाद । १२ मार्च को दांडी यात्रा के ऐतिहासिक दिन पर राज्य में ५८ वर्ष बाद आयोजित होनेवाली वर्किंग कमेटी की बैठक और अडालज की जन संकल्प रैली में शामिल होने के लिए कांग्रेस के टोप नेता बुधवार को सुबह में अहमदाबाद पहुंचे थे । गांधी आश्रम में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, डॉ. मनमोहन सिंह, प्रियंका गांधी सहित के कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने पूज्य महात्मा गांधी की प्रतिमा को श्रद्धांजलि दी इसके बाद वह प्रार्थना सभा में शामिल हुए थे । दांडी मार्च के ऐतिहासिक दिन पर गांधी आश्रम में मंगलवार को आयोजित की गई प्रार्थना सभा में सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की मौजूदगी सांकेतिक हो गई थी । प्रार्थना सभा के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के साबरमती के संत तुने कर दिया कमाल, रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम सहित के भजनों को आकर्षित किया था । सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की मौजूदगी एक साथ देखकर कांग्रेस के नेताओं से लेकर सामान्य कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह का माहौल देखने को मिला । गांधी परिवार के यह तीन नेताओं की मौजूदगी प्रार्थना सभा में सांकेतिक बनी । अपने निश्चित समय से एक घंटे लेट आये कांग्रेस के दिग्गज नेताओं ने गांधी आश्रम से शाहीबाग के शहीद स्मारक जाकर पुलवामा के शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई और तब से सरदार पटेल स्मारक में वर्किंग कमेटी में मौजूद होने के लिए रवाना हो गए। इसके पहले सुबह में करीब ९.५० मिनट पर यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी, सांसद और सोनिया गांधी के राष्ट्रीय सलाहकार अहमद पटेल सहित के महानुभावों का अहमदाबाद एयरपोर्ट पर आगमन हुआ । यह महानुभावों का प्रदेश अध्यक्ष अमित चावडा, विधानसभा विपक्ष के नेता परेश धानाणी, प्रदेश प्रभारी राजीव सातव, पूर्व प्रमुखों, अर्जुन मोढवाडिया, भरतसिंह सोलंकी, सिद्धार्थ पटेल तथा पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शक्तिसिंह गोहिल आदि सीनियरों ने स्वागत किया ।

## चुनाव आचारसंहिता भंग नहीं हो इस पर नजर रखी

# आयोग द्वारा कांग्रेस के नेता की गाड़ियों का भी मॉनिटरिंग

अहमदाबाद । गत रविवार को चुनाव आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने के साथ ही पूरे देश में आचारसंहिता लागू हो गई है। ऐसी परिस्थिति में मंगलवार को आयोजित हुई कांग्रेस की वर्किंग कमेटी तथा अडालज की जनसंकल्प रैली में शामिल होने के लिए आये कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की गाड़ी का चुनाव आयोग द्वारा मॉनिटरिंग किया गया । चुनाव आयोग के अधिकारियों द्वारा यह कार्यक्रमों में कहीं चुनाव आचारसंहिता की गाइंडलाइंस का भंग भंग नहीं हो इस पर कड़ी निगरानी रखी गई थी। मंगलवार को सुबह में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, डॉ. मनमोहनसिंह, प्रियंका गांधी आदि का अहमदाबाद में आगमन होने के बाद यह महानुभावों को विशेष बस में गांधी आश्रम जाने के लिए रवाना हुए। चुनाव आयोग द्वारा गांधी आश्रम में कार्यक्रम का मॉनिटरिंग किया गया । जिसमें चुनाव आयोग की चार टीम द्वारा विडियोग्राफी की गई थी । जिसमें कांग्रेस के नेताओं की गाडी, गाडी पीछे के पोस्टर और गाडी नंबर रजिस्ट्रेन आदि शामिल है। इस दौरान मंगलवार को आयोजित हुई जन संकल्प रैली के लिए कांग्रेस के स्थानीय नेताओं तथा कार्यकर्ताओं द्वारा शहरभर में जगह-जगह होर्डिंग्स तथा बैनर और झंडा लगाये गये । अडालज के त्रिमंदिर की तरफ जाते रास्ते की दोनों ओर सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस के बैनर और झंडा लगे हुए थे । हालांकि चुनाव आयोग द्वारा आचारसंहिता का सख्ती से पालन किए जाने की वजह से गत दिन म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के एस्टेट विभाग द्वारा यह सभी होर्डिंग्स, बैनर हटाये गये । जिसकी वजह से जन संकल्प रैली की रौनक फिक्की हो गई थी । म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के शासकों ने कांग्रेस के होर्डिंग्स, बैनर आदि हटा लेने को आचारसंहिता लागू होने से यह काम किया गया ।

# कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं ने गुजराती भोजन का मजा लिया

अहमदाबाद । शहर के शाहीबाग क्षेत्र में सरदार पटेल स्मारक भवन में आयोजित की गई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में उपस्थित हुए कांग्रेस के दिग्गज राष्ट्रीय नेताओं ने मंगलवार को गुजराती भोजन का मजा लिया । खुद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका और सोनिया गांधी ने भी गुजराती व्यंजन का आनंद लिया । अहमदाबाद में पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं के लिए आज गुजराती भोजन की विशेष करके विशेष व्यंजन तैयार किए गए । कांग्रेस के नेताओं को बाजरी की रोटी, बैंगन का भडथा, ऊंधिया, पूरी, जिलेबी, आलू की सब्जी तथा आदि कई व्यंजन का स्वाद लिए । कांग्रेसी नेताओं को गुजराती भोजन का मजा लिया और उन्होंने उनकी काफी प्रशंसा की । गुजरात के कई स्थानीय नेताओं ने गुजराती भोजन और व्यंजन आमंत्रित राष्ट्रीय महानुभावों को जानकारी दी गई । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका और सोनिया गांधी के लिए अलग से भोजन की व्यवस्था की गई । आज के भोजन व्यंजन में कांग्रेस के नेताओं को नोनवेज नहीं देने का निर्णय लिए जाने की वजह से उनको सिर्फ शुद्ध गुजराती भोजन दिया गया ।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com ( subject to surat jurisdiction)**